insistence to create an environment which is prejudicial to a fair trial. Sir, this is something which is ought to have been resisted.

My respectful submission, Sir, is, now, these facts and the Governor's adviser's order are before us. And the Governor was not a BJP Governor, the then Governor, today, is a leading Member in the front benches of the Congress Party in this House; he is a General Secretary of the Congress Party. When this was the Governor's order that these two can't be merged into one, you find fault with Rajnath Singh and Mayawati for not merging the two cases together; when your own Governor, also, under legal advise said that these two can't be merged, Sir, I get an uneasy feeling that this is not a case where 120B has been dropped. 120B was never there in Rae Bareily. The Rae Bareily chargesheet continues, 120B still not there. There is no question of dropping or diluting the charge. An effort has been made. If there was a conspiracy, it was a conspiracy somehow to bring in 120B, somehow it has not succeeded and the entire grievance is really because of that, and it is for this reason, Sir, we oppose this motion.

STATEMENT BY MINISTER

Major accidents occured recently on Northern, South Central, East Central Railways, and Konkan Railway (KRCL)

रेल मंत्री (**श्री नीतीश कुमार**) : सभापति महोदय , हाल ही मे उत्तर , दक्षिण मघ्य पूर्व मध्य रेलो तथा कोकण रेलवे (केआरसीएल) पर हुई दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटनाओं के बारे मे मुझे सदन को बताते हुए दुख हो रहा है । इनमे उत्तर रेलवे पर आग से हुई दुर्घटना और कोकण तथा दक्षिण मध्य रेलवे पर गाड़ी के पटरी से उतरने की दो प्रमुख घंटनांए शामिल है ।

15-5-2003 को उत्तर रेलवे के फिरोजपुर मडल मे लुधियाना तथा लाढोवाल स्टेशनोके बीच 3.55 बज़े 2903 अप गोल्डन टेम्पल मेल मे आग लग गई थी । इस दुर्घटना मे 3 सवारी डिब्बे पूरी तरह से जल गए थे (एस -3 एस -4 तथा एस -5) तथा चौथी सवारी डिब्बा अर्थात एस -6 डिब्बा अंशत जल गया था । आग का पता चलने के बाद गाड़ी को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई की गई और उसके पश्चात प्रभावित डिब्बो को शेष गाड़ी से अलग कर दिया गया ताकि और जान – माल की हानि से बचा जा सके । घायल व्यक्तियों को तत्काल चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई गई और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया ।

मैं खबर मिलते ही रेल राज्य मंत्री और अध्यक्ष रेलवे बोर्ड के साथ तत्काल दुर्घटना स्थल का निरीक्षण करने गया। रेलवे बोर्ड के सदस्यों ने भी दुर्घटना स्थल का दौरा किया और बचाव तथा राहत कार्यो का निरीक्षण किया।

इस दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना मे 36 व्यक्तियों की जाने गई तथा 15 अन्य घायल हुए, जिनमे दो गंभीर रूप से चोटें आई। रेल सुंरक्षा आयुक्त / उत्तरी क्षेत्र इस दुर्घटना की सांविधिक जांच कर रहे हैं। उन्होंने अपनी प्रारभिक रिपोर्ट पेश कर दी है और कहा है कि फॉरेनासिक रिपोर्ट प्राप्त हो जाने के बाद ही धटना के प्रथम दृष्टया कारको का पता चल सकेगा। बहरहाल, आंतिम रिपोर्ट की अभी प्रतीक्षा है।

22-06-2003 को लगभग 21.15 बज़े कोकण रेलवे (के आरसीएल) के रत्नीगिरी क्षेत्र मे बोल्डरो के गिर जाने से 904 अप कारवाड़ – मुम्बई सेट्रल हॉलीडे स्पेशल गाड़ी का इंजन और पहले चार सवारी डिब्बे पटरी से उतरकर पलट गए। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना मे 52 व्यक्तियों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा तथा 26 अन्य धायल हो गए, जिनमें 16 व्यक्तियों को गंभीर चोटे आई। घायल व्यक्तियों को हर संभव सर्वोतम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई।

रेल संरक्षा आयुक्त / मध्य क्षेत्र द्वारा सांविधिक जांच की जा रही है। उन्होंने अपनी प्रारभिक जांच रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है और अपनी अनन्तिम जांच मे कटिंग के दायीं ओर के ढलान की विफलता के कारण रेलपथ की रूकावट का उल्लेख किया है। बहरहाल, अंतिम जांच रिपोर्ट की अभी प्रतीक्षा है।

02/07/2003 को गुटूर और सिकंदराबाद के बीच चल रही 7201 अप गोलकुडा एक्सप्रेस दक्षिण मध्य रेलवे सिकंदराबाद मंडल मे विजयवाड़ा – काजीपेट विद्युतीकृत बड़ी दोहरी लाइन वाले खंड पर स्थित वारंगल स्टेशन पर 10.5 बजे पटरी से उत्तर गई। गाड़ी निर्धारित ठहराव के लिए लूप लाइन पर स्टार्टर सिग्नल पर नहीं रूक सकी और सैंड हम्प में प्रवेश कर गई जिसके बाद रेल इंजन आशिक रूप से निचले सड़क पुल पर गिरकर रेलपथ के नीचे सड़क पर चल रहे ऑटो रिक्शा से टकरा गया।

इस दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना मे 21 व्यक्ति मारे गए और 24 अन्य घायल हुए, जिनमें 16 को गंभीर चोटे आयीं। तत्काल चिकित्सा सुविधा की व्यस्था की गई और घायलों को एमजीएम अस्पताल, वारंगल में भर्ती करा दिया गया। काजीपेट और सिकंदराबाद से चिकित्सा राहत गाड़ियो के साथ साथ डॉक्टर और अधिकारी तत्काल भेज दिए गए।

रेल राज्य मंत्री श्री बंडारू दत्तात्रेय, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और सदस्य यातायात के साथ दुर्घटना स्थल पर बचाव और राहत कार्यो का पर्यवेक्षण करने के लिए रवाना हो गए। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी वांरगल रवाना हो गए। रेल सुरंक्षा आयुक्त / दक्षिण मध्य क्षेत्र द्वारा इस दुर्घटना की सांविधिक जांच की जा रही है। उन्होंने अपनी प्रारभिंक जांच रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है और अनन्तिम जांच में देरी से ब्रेक लगाने का उल्लेख किया है और इस दुर्घटना को रेलवे स्टाफ की विफलता कोटि मे वर्गीकृत किया है। बहरहाल, अंतिम जांच रिपोर्ट की प्रतीक्षा है।

इन तीन बड़ी दुर्घटनाओं मे मृतको के प्रत्येक आश्रित को एक लाख रूपए और गंभीर रूप से घायलों को 15,000 रूपए तथा मामूली रूप से घायलों को 5,000 रूपए की संवर्धित अनुग्रह राशि के तत्काल भुगतान की घोषणा कर दी गई थी।

भारतीय रेलो को बहुत से प्रतिकूल बाहरी कारको मे गाड़ियो का परिचालन करना पड़ता है। दिनांक 14 जुलाई, 2003 की रात और 15 जुलाई, 2003 की सुबह पूर्व मध्य रेलवे के समस्तीपुर मंडल पर तोड़ – फोड़ की चार घटनांए हुई, जिनके परिणामस्वरूप तीन पैसेंजर गाडिया क्या 519 अप सोनपुर – गोरखपुर पैसेंजर, 5219 डाउन कुर्ला – दरभंगा एक्सप्रेस, 285 अप दरभंगा –नरक थागज पैसेंजर पटरी से उतर गई और इन सभी मामलों मे बम से रेलपथ को उड़ा दिए जाने के कारण 530 डाउन गोरखपुर – मुजफ्फरपुर पैसेंजर की भारी रूकौनी हुई थी। दुर्घटनास्थल से जिन्दा बम बरामद हुए थे, जिन्हें बाद मे राज्य सरकार के प्राधिकारियों द्वारा निष्क्रिय कर दिया गया था। सौभाग्यवंश इन अप्रिय घटनाओं ने सभी यात्री सुरक्षित बच गए, जबकि काफी अधिक जान – माल की हानि हो सकती थी । गाड़ी सेवाएं गंभीर रूप से प्रभावित हुई थीं। रेल आधिकारियों को यातायात बहाल करने मे कड़ा संघर्ष करना पड़ा क्योंकि उसी मंडल के विभिन्न स्थानों पर मात्र पांच घटे के भीतर सभी दुर्घटनाएं घटी थीं ।

संरक्षा पर व्यापक ध्यान देने की आवश्यकता पर बल देने के उद्देश्य से हमने हाल ही मे संरक्षा पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की थी, जिसमें निम्न स्तर की विभिन्न कोटियों के रेल कर्मचारियो यथा प्वाइंट्स – मैन, गैंगमैन, ड्राइवर, गार्ड ,स्टेशन मास्टर, रेलपथ निरीक्षक, सवारी एवं माल डिब्बा जांच कर्मचारियों आदि ने भाग लिया। इसमे श्रमिको की संगठित यूनियनो तथा रेल अधिकारियों की फैडरेशनों ने भी भाग लिया। इस कार्यशाला मे हुए विचार – विमर्श के आधार पर कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं और संरक्षा संबधी अभियानों को और तेज़ करने के अलावा इस पर अनुवर्ती कार्रवाई आरंभ कर दी गई है। हालांकि, पिछले साल वर्षो की तुलना मे दुर्घटनाओं की संख्या मे कमी आई है, फिर भी दुर्घटनाओ को हर कीमत पर रोकने के हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

रेलवे और अपनी ओर से मैं शोक – संतप्त परिवारों के प्रति गहरी सवेंदना प्रकट करता हूं और घायलों के प्रति हार्दिक सहानुभूति व्यक्त करता हूं। धन्यवाद।

श्री सभापति : सदन की कार्रवाई कल पूर्वाह्न 11 .00 बजे तक ले लिए स्थगित की जाती है।

The House then adjourned at twelve minutes past six of the clock till eleven of the clock on Thursday, the 24th July, 2003.

MGIPMRND—2794RS—21.02.2004.